Act of Settlement 1781

gkgsnotes.com

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- **Regulating Act 1773 की कमियाँ**
  - 1773 के रेगुलेटिंग एक्ट ने कलकत्ता में सुप्रीम कोर्ट बनाया, लेकिन उसका अधिकार-क्षेत्र स्पष्ट नहीं किया
  - कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सीमा-रेखा अस्पष्ट रहने से प्रशासनिक टकराव बढ़ा
  - कंपनी के राजस्व, प्रशासन और न्यायिक अधिकारों को लेकर लगातार भ्रम बना रहा
- **सुप्रीम कोर्ट बनाम गवर्नर-जनरल**
  - मुख्य न्यायाधीश एलिजा इम्पे के अनुसार बंगाल, बिहार और उड़ीसा के सभी निवासी कोर्ट के दायरे में आते थे
  - वारेन हेस्टिंग्स के अनुसार राजस्व वसूली और सरकारी प्रशासन न्यायालय के अधिकार से बाहर थे
  - दोनों पक्षों के इस टकराव ने शासन को लगभग ठप कर दिया
- **कोसीजुरा का मामला**
  - सुप्रीम कोर्ट ने कोसीजुरा के जमींदार के खिलाफ कर्ज न चुकाने पर गिरफ्तारी वारंट जारी किया
  - हेस्टिंग्स ने जमींदार को वारंट न मानने का आदेश दिया क्योंकि वह कंपनी के राजस्व तंत्र का हिस्सा था
  - कंपनी की सेना भेजकर सुप्रीम कोर्ट के अधिकारियों की गिरफ्तारी ने संवैधानिक संकट को चरम पर पहुँचा दिया
- **टॉर्चेट कमेटी का गठन**
  - कलकत्ता के यूरोपीय और भारतीय निवासियों ने न्याय की मांग करते हुए संसद में याचिकाएँ भेजीं
  - 1780 में जॉन टॉर्चेट की अध्यक्षता में संसदीय समिति बनाई गई
  - समिति की रिपोर्ट के आधार पर 1781 में संशोधन अधिनियम पारित किया गया

ऐतिहासिक और संवैधानिक महत्व

- **कार्यपालिका और न्यायपालिका का पृथक्करण**
  - भारत के प्रशासनिक इतिहास में पहली बार दोनों संस्थाओं के कार्यक्षेत्र की स्पष्ट सीमा तय की गई
  - आगे चलकर कोसीजुरा जैसे संकटों की पुनरावृत्ति रोकने का प्रयास किया गया
  - शासन में संस्थागत संतुलन और स्पष्टता स्थापित हुई
- **गवर्नर-जनरल की सर्वोच्चता**
  - प्रशासनिक मामलों में गवर्नर-जनरल-इन-काउंसिल की स्थिति मजबूत हुई
  - सुप्रीम कोर्ट की असीमित शक्ति पर लगाम लगाई गई
  - जटिल औपनिवेशिक भारत में एक मजबूत executive authority की आवश्यकता स्वीकार की गई
- **भारतीय कानून और संस्कृति की स्वीकृति**
  - अंग्रेजों ने माना कि पश्चिमी कानूनों को भारतीय समाज पर सीधे लागू नहीं किया जा सकता
  - हिंदू और मुस्लिम personal laws को औपचारिक मान्यता मिली
  - यह व्यवस्था आगे चलकर ब्रिटिश भारत और आधुनिक भारतीय कानूनी ढांचे का स्थायी हिस्सा बनी

Act of Settlement 1781 के मुख्य प्रावधान

- **कार्यपालिका को न्यायिक हस्तक्षेप से राहत**
  - गवर्नर-जनरल और Executive Council को उनके official acts के लिए सुप्रीम कोर्ट से छूट दी गई
  - प्रशासनिक निर्णयों पर अब कोर्ट मुकदमा नहीं चला सकता था
  - कंपनी के अन्य कर्मचारी, जैसे सेना, पुलिस और राजस्व अधिकारी, भी अपने आधिकारिक कर्तव्यों के लिए सुरक्षित किए गए
- **राजस्व मामलों पर सुप्रीम कोर्ट की रोक**
  - tax और revenue collection से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप समाप्त किया गया
  - जमींदार, मालगुजार और राजस्व वसूली करने वाले भारतीय केवल कंपनी के कर्मचारी होने के कारण कोर्ट के अधीन नहीं माने गए
  - इन विवादों का निर्णय गवर्नर-जनरल-इन-काउंसिल के पास रहा
- **सुप्रीम कोर्ट का अधिकार-क्षेत्र सीमित**
  - कोर्ट का भौगोलिक क्षेत्र केवल कलकत्ता शहर और उसके निवासियों तक सीमित किया गया
  - बंगाल, बिहार और उड़ीसा की सामान्य जनता पर इसका प्रत्यक्ष अधिकार नहीं रहा
  - इससे 1773 के अधिनियम से उपजा व्यापक jurisdictional confusion कम हुआ
- **भारतीय व्यक्तिगत कानूनों की मान्यता**
  - कलकत्ता में रहने वाले भारतीयों के मामलों का निपटारा उनके personal laws के आधार पर होना तय किया गया
  - मुसलमानों के लिए Mohammedan Law और हिंदुओं के लिए Hindu Law लागू की गई
  - एक पक्ष हिंदू और दूसरा मुस्लिम होने पर निर्णय प्रतिवादी के कानून के अनुसार किया जाना था
- **अपीलीय और विधायी व्यवस्था का पुनर्गठन**
  - Sadar Diwani Adalat के फैसलों की अपील सुप्रीम कोर्ट में नहीं जाएगी
  - अंतिम अपीलीय अधिकार गवर्नर-जनरल-इन-काउंसिल को दिया गया
  - प्रांतीय अदालतों के लिए नियम और regulations बनाने की शक्ति भी उसी परिषद को मिली
  - नया कानून लागू करने से पहले सुप्रीम कोर्ट में registration की बाध्यता समाप्त कर दी गई
- **सामाजिक और धार्मिक प्रथाओं का सम्मान**
  - अदालतों को भारतीयों की सामाजिक और धार्मिक प्रथाओं का सम्मान करने का निर्देश दिया गया
  - वारंट, समन और गिरफ्तारी जैसी प्रक्रियाओं में स्थानीय भावनाओं को ध्यान में रखने पर बल दिया गया
  - अंग्रेजी कानूनी प्रक्रिया को भारतीय समाज पर यांत्रिक रूप से थोपने से रोका गया

GKGSNOTES.COM

copyright © gkgsnotes.com| All Right Reserved

नोट: यह माइंड मैप केवल त्वरित रिवीजन (Quick Revision) के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इस विषय को सभी कॉन्सेप्ट्स की विस्तार से समझने और संपूर्ण नोट्स पढ़ने के लिए कृपया gkgsnotes.com पर विजिट करें।